Vishvatattva Prakash

Folder No.	022461
Granth Name	Vishvatattva Prakash
Author	Vidyadhar Johrapurkar
Publisher	Jain Sanskruti Samrakshak Sangh
Edition	1
Year	1964
Pages	532

विश्वतत्त्वप्रकाश

फोल्डर नं.	०२२४६१
ग्रन्थ	विश्वतत्त्वप्रकाश
लेखक	विद्याधर जोहरापूरकर
प्रकाशक	जैन संस्कृति संरक्षक संघ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	१९६४
पृष्ठ	५३२

मुख्य टाइटल
विषयानुक्रमणिका

ग्रन्थमाला संपादकीय ---------- ११
अंग्रेजी प्रस्तावना ---------- १४
प्रस्तावना ---------- १
- ग्रन्थकार तथा ग्रन्थ ---------- १
- जैन तार्किक साहित्य ---------- २२

मूल ग्रन्थ और सारानुवाद ---------- १
- चार्वाक पूर्वपक्ष जीव की नित्यता में अनुमानो का अभाव ---------- १
- जीवकी नित्यतामें आगमका अभाव ---------- ४
- जीव की नित्यता का समर्थन ---------- १३
- अदृष्ट का समर्थन ---------- २२
- केवलान्वयी अनुमान ---------- ३३
- ईश्वरविषयक अनुमानों के दोष ---------- ४८
- सर्वज्ञसिद्धि का उपसंहार ---------- ६८
- वेद पौरुषेय है ---------- ८६
- ज्ञान स्वसंवेद्य है ---------- १०८
- योगाचार विज्ञानाद्वैत का खंडन ---------- १२०
- भ्रमविषयक वेदान्त मत का खंडन ---------- १३७
- ब्रह्म साक्षात्कार का विचार ---------- १५४
- प्रतिबिंबवाद का खंडन ---------- १६६
- भेद अविद्याजनित नही ---------- १८१
- आत्मा सर्वगत नही ---------- १९२
- समवाय का खंडन ---------- २१५

दिशा द्रव्य नही ---------- २३२
अन्य प्रमाणों का विचार ---------- २४३
सांख्य मत की सृष्टि प्रक्रिया ---------- २६१
क्षणिकवाद का खंडन ---------- २८५
निर्विकल्प प्रत्यक्षका खंडन ---------- २९८
बौद्ध मत में निर्वाण मार्ग ---------- ३०१
उपसंहार ---------- ३०६
ग्रन्थकार की प्रशस्ति ---------- ३०७
प्रतिलेखक की प्रशस्ति ---------- ३०८
टिप्पण ---------- ३०९
टिप्पण परिशिष्ट हुम्मच प्रति के पाठान्तर ---------- ३४४
लिपिकृत प्रशस्ति ---------- ३६२
परिशिष्ट ---------- ३६३
ग्रन्थकारकृत पद्य तथा उद्धरण सूची ---------- ३६३
मूलग्रन्थगत विशेष नामसूची ---------- ३६९
मूलग्रन्थगत वादिनामसूची ---------- ३७०
प्रस्तावना संदर्भसूची ---------- ३७१
शुद्धिपत्र